Chapter 7: परिवहन एवं संचार

अभ्यास प्रश्न (पाठ्यपुस्तक से)

प्र0 1. नीचे दिये गए चार विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(i) पारमहाद्वीपीय स्टुवर्ट महामार्ग किनके मध्य से गुजरता है?

(क) डार्विन और मेलबोर्न

(ख) एडमंडन और एंकॉरेज

(ग) बैंकूवर और सेंट जॉन नगर

(घ) चेगडू और ल्हासा

उत्तरः (i) (क) डार्विन और मेलबोर्न

(ii) किस देश में रेलमार्गों के जाल का सघनतम घनत्व पाया जाता है?

(क) ब्राजील

(ख) कनाडा

(ग) संयुक्त राज्य अमेरिका

(घ) रूस

उत्तरः (ii) (ग) संयुक्त राज्य अमेरिका

(iii) बृहत ट्रंक मार्ग होकर जाता है

(क) भूमध्य सागर हिंद महासागर से होकर

(ख) उत्तर अटलांटिक महासागर से होकर

(ग) दक्षिण अटलांटिक महासागर से होकर

(घ) उत्तर प्रशांत महासागर से होकर

उत्तरः (iii) (ख) उत्तर अटलांटिक महासागर से होकर।

(iv) 'बिग इंच' पाइप लाइन के द्वारा परिवहित किया जाता है।

(क) दूध

(ख) जल

(ग) तरल पेट्रोलियम गैस (LPG)

(घ) पेट्रोलियम

उत्तरः (iv) (घ) पेट्रोलियम

(v) चैनल टनल जोड़ता है।

(क) लंदन-बर्लिन ।

(ख) बर्लिन- पेरिस

(ग) पेरिस- लंदन

(घ) बार्सीलोना-बर्लिन

उत्तरः (v) (ग) पेरिस-लंदन

प्र0 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए

(i) पर्वतों, मरुस्थलों तथा बाढ़ संभावित प्रदेशों में स्थल परिवहन की क्या-क्या समस्याएँ हैं?

उत्तर: सड़क मार्गों के निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि भूमि समतल तथा ऊबड़-खाबड़ नहीं होनी चाहिए, लेकिन पर्वतीय और मरुस्थलीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण की उपयुक्त दशाएँ नहीं मिलतीं; इसीलिए इन क्षेत्रों में इसके निर्माण की समस्या आ जाती है। बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में भी सड़क निर्माण आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं है, क्योंकि प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ . सड़क तथा पुलों को बहाकर ले जाती है। इसी कारण इन क्षेत्रों में सड़क निर्माण की समस्या है।

(ii) पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग क्या होता है?

उत्तर: महाद्वीप के आर-पार बनाए गए तथा इसके दो सिरों को जोड़ने वाले मार्गों को 'पार महाद्वीपीय रेलमार्ग' कहते हैं। ऐसे रेलमार्ग हैं-ट्रांस-साइबेरियन रेलमार्ग, कनाडियन पैसेफिक रेलमार्ग तथा ट्रांस-ऑस्ट्रेलियन रेलमार्ग।

(iii) जल परिवहन के क्या लाभ हैं?

उत्तर:

- जल परिवहन में किसी प्रकार के मार्ग निर्माण की आवश्यकता नहीं होती है।
- जल परिवहन यातायात का सस्ता माध्यम है।
- जल परिवहन में एक साथ अधिक माल ढोया जा सकता है।
- जल परिवहन के रखरखाव पर बहुत कम खर्च होता है।

प्र० 3. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों से अधिक न दें

(i) "एक सुप्रबंधित परिवहन प्रणाली में विभिन्न एक-दूसरे की संपूरक होती हैं", इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: एक सुप्रबन्धित परिवहन प्रणाली में यातायात के सभी साधन एक-दूसरे के सम्पूरक होते हैं। सभी यातायात साधनों का उद्देश्य यात्रियों और माल का आवागमन करना है। सुप्रबन्धित परिवहन प्रणाली की सार्थकता परिवहित की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के प्रकार, परिवहन की लागत और उपलब्ध परिवहन लागत पर निर्भर होती है। विभिन्न परिवहन के साधन इस प्रकार कार्य करते हैं

- वस्तुओं का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार या वितरण भारवाही जलयानों द्वारा किया जाता है। .
- कम दूरी और एक घर से दूसरे घर की सेवाएँ प्रदान करने के लिए सड़क परिवहन सस्ता एवं तीव्रगामी होता है।
- किसी देश के आन्तरिक भाग में स्थूल पदार्थों के विशाल परिणाम को लम्बी दूरियों तक परिवहन करने के लिए रेल सबसे अनुकूल साधन है।
- उच्च मूल्य वाली हल्की तथा नाशवान वस्तुओं का वायुमार्गों द्वारा परिवहन सर्वश्रेष्ठ होता है। अत: सुप्रबन्धित परिवहन तन्त्र में परिवहन के विभिन्न साधन एक-दूसरे के सम्पूरक होते हैं।

(ii) विश्व के वे कौन-से प्रमुख प्रदेश हैं जहाँ वायुमार्गों का सघन तंत्र पाया जाता है ?

उत्तर: वायु परिवहन, परिवहन का तीव्रतम साधन है, किंतु यह बहुत ही महँगा है। तीव्रगामी होने के कारण लंबी दूरी की यात्राओं के लिए यात्री इसे ही वरीयता देते हैं। इसके द्वारा मूल्यवान जहाजी भार को तेजी के साथ पूरे विश्व में कहीं भी भेजा जा सकता है। कई बार अगम्य क्षेत्रों तक पहुँचने का यही एकमात्र साधन होता है।

वायुयान जमी हुई भूमि के अवरोध से प्रभावित हुए बिना उत्तरी कनाडा के एस्किमो के लिए अनेक वस्तुएँ पहुँचाते हैं। हिमालय प्रदेश में भू-स्खलन, ऐवेलांश अथवा भारी हिमपात से मार्ग अवरुद्ध हो जाने पर वायुमार्ग से ही यात्रा संभव होती है। वायुमार्गों का अत्यधिक सामरिक महत्त्व भी होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका एवं ब्रिटिश सेवाओं द्वारा ईरान में किए गए हमले इस तथ्य के साक्षी हैं। वर्तमान समय में विश्व में कोई भी स्थान 35 घंटे से अधिक की दूरी पर नहीं है। विश्व के अनेक भागों में दैनिक वायु सेवाएँ उपलब्ध हैं। यद्यपि ब्रिटेन का वाणिज्यिक वायु परिवहन का प्रयोग अनुकरणीय है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने मुख्य रूप से युद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन का विकास किया है। वर्तमान में 250 से अधिक वाणिज्यिक एयर लाइनें हैं जो विश्व के विभिन्न भागों में नियमित सेवाएँ प्रदान करती हैं। एक सुपरसोनिक वायुयान लंदन और न्यूयार्क के बीच की दूरी को मात्र साढ़े तीन घंटों में तय कर लेता है। उत्तरी गोलार्द्ध में अंतरमहाद्वीपीय वायुमार्गों की एक सुस्पष्ट पूर्व-पश्चिम पट्टी है। पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी यूटरोप और दक्षिण-पूर्वी एशिया में वायुमार्गों का सघन जाल पाया जाता है। विश्व के कुल वायुमार्गों के 60 प्रतिशत भाग का प्रयोग अकेला संयुक्त राज्य अमेरिका करता है। न्यूयार्क, लंदन, पेरिस, एमस्टर्डम एवं शिकागो, नोडीय बिंदु हैं। जहाँ वायु मार्ग अभिसरित होते हैं अथवा महाद्वीपों की ओर विकिटित होते हैं।

(iii) वे कौन-सी विधाएँ हैं जिनके द्वारा साइबर स्पेस मनुष्यों के समकालीन आर्थिक और सामाजिक स्पेस की वृद्धि करेगा?

उत्तर: साइबर स्पेस इण्टरनेट-साइबर स्पेस इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटरराइज्ड स्पेस की दुनिया है। यह 'वर्ल्ड वाइड वेबसाइट' (www) जैसे इण्टरनेट द्वारा घेरा हुआ है। यह इलेक्ट्रॉनिक डिजीटल है जो कम्प्यूटर नेटवर्क द्वारा सूचना भेजने के लिए होता है जिसमें प्रेषक और प्राप्तकर्ता को कोई भौतिक गति नहीं करनी होती। साइबर स्पेस सभी स्थानों पर होता है। यह कार्यालय नाव, वायुयान तथा अन्य सभी स्थानों पर होता है।

प्रगति - इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क की गति जिस पर यह कार्य करता है असामान्य होती है जो मानव इतिहास में अद्वितीय है। सन् 1955 में इण्टरनेट के उपयोगकर्ता

संख्या में 5 करोड़ थे जो सन् 2000 में 40 करोड़ और सन् 2010 में 200 करोड़ हैं। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक उपयोगकर्ताओं का संयुक्त राज्य अमेरिका से विकासशील देशों में स्थानान्तरण हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका में उपयोगकर्ताओं का प्रतिशत अंश सन् 1995 में 66 प्रतिशत रह गया। अब विश्व के अधिकांश उपयोगकर्ता संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, चीन और भारत में हैं।

भविष्य - साइबर स्पेस समकालीन, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में ई-मेल, ई-कॉमर्स लर्निंग आदि द्वारा परिवर्तन लाएँगी। फैक्स, टी०वी०, रेडियो के साथ इण्टरनेट प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में हो जाएगा। यह आधुनिक संचार प्रणाली है।